यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2022

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 1

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये- **10X1=10**

1. भगवान महावीर की माता का नाम-

(अ) त्रिशला (ब) मरूदेवी (स) चन्दनबाला (द) चेलना ( )

2. भगवान महावीर ने किस उम्र में दीक्षा ली-

(अ) 35 (ब) 30 (स) 40 (द) 54 ( )

3. भगवान महावीर थे-

(अ) निर्भीक (ब) साहसी (स) विनयशील (द) उपरोक्त सभी ( )

4. देवताओं ने राजा मेघरथ की परीक्षा के लिये स्वयं को बनाया-

(अ) सिंह (ब) सर्प (स) हिरण (द) कोई भी नहीं ( )

5. लोगस्स का पाठ किस सूत्र से लिया गया है-

(अ) रायप्पसेणी (ब) औपपातिक (स) हरिभद्रीयावश्यक (द) कल्पसूत्र ( )

6. सामायिक पारने में निम्न पाटीयां आती है-

(अ) तस्स उत्तरी (ब) नमस्कार महामंत्र (स) इच्छाकारेणं (द) सभी ( )

7. 'मूल' के बोल है–

(अ) अमृत (ब) शरण (स) मित्र (द) कोई नहीं ( )

8. श्रमणोपसक का वचनव्यवहार कैसा हो–

(अ) अच्छा (ब) सुंदर (स) उत्तम (द) साफ ( )

9. निम्न में अचित्त है–

(अ) इलायची (ब) नमक (स) शस्त्र (द) बीज ( )

10. 'सामायिक नित्य करने वाले के' 1 महीने में कितने दिन धर्म ध्यान में बीतते है–

(अ) 1 दिन (ब) 1 रात (स) 2 दिन (द) 1 अहोरात्रि ( )

प्रश्न 2. सही जोड़ी बनाईये– **5**

1. कुथुं	–	अष्ट सिद्धि
2. श्री सुरादेवजी	–	अशुभ कर्म
3. पाप	–	धम्मं
4. आयरियाणं	–	सोहियं
5. फासियं	–	श्री सकडालपुत्र जी

प्रश्न 3. सही/गलत पर निशान लगाइये– **8X1=8**

1. सामायिक में नियाणा करना दोष है। ( )
2. बिना विचारे बोले जो वचन दोष है। ( )
3. मान को सरलता से जीतो। ( )
4. लोभ को क्षमा से जीतो। ( )
5. जैन धर्म का दूसरा व्रत अहिंसा है। ( )
6. मिष्ठान, भोजन की मर्यादा ताम्बुल में आती है। ( )
7. कायोत्सर्ग में लोगस्स का ध्यान करना चाहिये। ( )
8. एयस्स नवमस्स सामायिक लेने की पाटी है। ( )

प्रश्न 4. खाली स्थान भरो– **10X1=10**

1. बुद्ध ..... हरि हर ब्रह्मा।
2. पद पहला है ..... दूर भगाता है।
3. ..... भी गोद पर सोते ।
4. इस अवसर्पिणी काल में ..... तीर्थंकर हो चुके है।

5. ..... का अर्थ संघ है।

6. धर्म के समान ..... नहीं।

7. सभी रोगो का मूल ..... है।

8. .....के समान शरण नहीं।

9. नवमें तीर्थंकर का दुसरा नाम ..... है।

10. सामायिक के ..... दोष है।

प्रश्न 5. विस्तार से समझाइये– (कोई 6) **6X5=30**

1. ध्यान करने की विधि समझाइये।

.....

.....

.....

.....

.....

2. काम की बाते लिखो । (कोई 3)

.....

.....

.....

.....

.....

3. जीव तत्व किसे कहते है।

.....

.....

.....

.....

.....

4. भगवान के द्वारा बताये गये कोई चार कार्य जिससे नरक में जाना रूक सकता है।

.....

.....

.....

.....

.....

5. धर्मस्थान में प्रवेश के कोई 2 नियम लिखो।

.....

.....

.....

.....

.....

6. मेरी भावना की कोई एक गाथा लिखो।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

7. सामायिक के 32 दोष में से काया के कोई 4 दोष लिखो।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6. मुझे पहचानो **5X1=5**

1. कष्ट आने पर भी जो शील धर्म को नहीं छोड़ती। .....
2. मैं चेतना रहित जड़ पदार्थ हूँ। .....
3. आत्मा पर लगे हुए कर्मो का एक देश से अलग होना। .....
4. मुझे धारण करने से समुद्र जितना पाप घटकर बुंद जितना रह जाता है। .....
5. धर्मस्थान में किसी से वार्तालाप करते समय मेरा उपयोग करना चाहिए। .....

प्रश्न 7. गाथा पूर्ण करो। **6X4=24**

1. ऐसो पंच .....

.....

.....

..... मंगलं।

2. वंदामि .....

.....

.....

..... वंदामि।

3. कुंथुं .....

.....

.....

..... लोगस्स।

4. अहंकार .....

.....

.....

..... धरूं।

5. मन .....

.....

..... पहनाती।

6. ज्ञान .....

.....

.....

..... भलाई।

प्रश्न 8. अंको में उत्तर दीजिये **5X1=5**

1. सामायिक पारते समय कितने लोगस्स का ध्यान किया जाता है।
2. जीव के कितने भेद है।
3. श्रावक जी का वचन व्यवहार में कितने नियम है।
4. लोगस्स में कुल कितनी गाथा है।
5. नमस्कार मंत्र में कितने पदो को वंदना की जाती है।